37वाँ सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने **हरियाणा के सूरजकुंड में 37वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले का उद्घाटन किया।**

मुख्य बिंदु:

- यह हमारे **शिल्पकारों को कला प्रेमियों से जोड़ने का एक प्रभावी मंच है।** यह मेला **एक कला प्रदर्शनी और व्यापार केंद्र,** दोनों है।
- यह मेला **हस्तशिल्प, हथकरघा और भारत की सांस्कृतिक विरासत** की समृद्धि तथा विविधता को प्रदर्शित करता है।
- मेले में लगभग **50 देश भाग** लेंगे। **इन देशों में** इथियोपिया, घाना, केन्या, नामीबिया, नाइजीरिया, युगांडा, ज़िम्बाब्वे, मॉरीशस, म्याँमार, नेपाल, रूस, श्रीलंका समेत **अन्य शामिल हैं।**
  - शिल्प मेले में **तंज़ानिया ने भागीदार राष्ट्र** के रूप में भाग लिया।
- **गुजरात थीम राज्य** है जो क्षेत्र के विभिन्न कला रूपों और हस्तशिल्प के माध्यम से अपनी अनूठी संस्कृति तथा समृद्ध विरासत का प्रदर्शन कर रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/37-th-surajkund-international-crafts-mela